Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________

   (Name) ______________

2. (Signature) ______________

   (Name) ______________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. ______________
(In words)

D 8 5 1 5

PAPER - II
KONKANI

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **12** | Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.

   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

KONKANI
कोंकणी
PAPER - II
प्रश्नपत्र - II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्न अनिवार्य है।।

सुचोवण्यो : (i) ह्या प्रस्नपत्रांत वट्ट पन्नास **(50)** भौपर्यायी जापेचे प्रस्न आसात.

(ii) दर एका प्रस्नाची जाप ताचे सकयल दिल्ल्या (1), (2), (3), (4) ह्या चार आंकड्यातल्या फावो त्या आंकड्याचेर कुरू करून दिंवची.

(iii) दर प्रस्नाच्या सारके जापेक दोन **(2)** गुण दवरल्यात.

(iv) सगळ्या प्रस्नांच्यो जापो दिंवच्यो.

1. 'फुडां कोणयेके काळी भूरीश्रिवा राव. त्या रायान आपुले अस्त्रिये सैत धा सहस्त्र देवांची वरूसां तप केलें. दोगांयनी तपांनी आपुलें शरिर नाना प्रकारीं कश्टवलें देखूनु, परमेस्पर प्रसन्न जावनु त्या दोगांयक बोलिले.

''तुमका प्रसन्न जालों. वरू माग.''

वयर दिल्लो उतारो खंयच्या पोन्न्या बरपांतलो आसा ?

(1) गोड्डे रामायण (2) देवाची एकांग्र बोलणी

(3) 16 व्या शेंकड्या आदलें कोंकणी रामायण (4) वनवाळ्याचो मळो

2. 1978 त जाल्ले अखिल भारतीय कोंकणी परिशदेचे अधिवेशन खंयच्या शारांत जाल्लें ?

(1) मंगळूर (2) कोचीन (3) कुंदापूर (4) पणजे

3. 'उश्णीं वायणां' हें पुस्तक बरोवपी कोण ?

(1) मनोहरराय सरदेसाय (2) जनाप्पा कामत (3) श्याम वेरेंकार (4) चंद्रकान्त केणी

4. ''कोंकणी ही एक संपन्न आनी स्वतंत्र भास आनी तिचें संस्कृताकडलें नातें सामकें घट'' अशें कोंकणी भाशेसंदर्भात कोणे म्हळां ?

(1) मोंसिन्योर सेबाश्तियांव रोदोल्फु दाल्गाद (2) जुआंव आगोस्तीन फॅर्नांदीश

(3) दियोग रिबैर (4) फादर माफैय

5. 'आडायेन कातरल्यार चक्र, दिगायेन कातरल्यार शंक' ह्या हुमाण्याचो अर्थ जावन आसा __________.

(1) काळिंग (2) कांदो (3) लिंबू (4) तवशें

6. 'निळें निळें ब्रह्म' ह्या कवितासंग्रहातली 'एकवीस सप्टेंबर 1989' ही कविता कोणाच्या उगडासाक ओंपल्या ?

(1) पांडुरंग भांगी (2) लक्ष्मीनारायण पारज (3) प्रा. जी.व्ही. कंटक (4) लक्ष्मणराव सरदेसाय

7. 'कांय नाद तोंडान निजाचेच मेकळे आनी सगळे जातात. तांका स्वर (सूर) म्हण्टात' अशी स्वराची व्याख्या कोणे केल्या ?

(1) फादर स्टिफन्स (2) सुरेश बोरकार (3) शणै गोंयबाब (4) फेलीस्यु कार्दोज

8. गोंयच्या धर्मीक बुन्यादीचें एक प्रतिकात्मक स्वरूप म्हळ्यार __________.

(1) मांडो (2) पेरणी जागर (3) मांड (4) जागर

9. सकयल दिल्ले कवितेतल्या कडव्यांतली निमणी वळ खंयची आसा ?

'ल्हवू ल्हवू रात देंवता
सावळेंतल्यान झिरपता
थेंब्या थेंब्यांत सप्ना जागयत

(1) ल्हारां हाड्टात नवी जाग (2) सरांव म्हजो घेवंक येता
(3) कित्याक धरूं खंत आतां (4) हावेस म्हजे जियेतात

10. गोंयचे लोककलेची आनी अस्तंमतेकडल्या संगीताची भरसण खंयच्या लोककलेच्या प्रकारांत दिसून येता ?

(1) मांडो (2) देखणी (3) मुसळां खेळ (4) खेळ

11. (a) 'कोंकण' हें उतर संस्कृत 'कांक' ह्या उतरावेल्यान आयलां.
(b) 'कोंकण' हें उतर 'कुकुण' नांवाच्या नाग जातीच्या लोकांच्या वसणूकीक लागून आयला.
(c) 'कोंकण' हें उतर 'कुंकणा' ह्या रेणुकेच्या नांवावेल्यान आयलां.
(d) 'कोंकण' हें उतर 'कोंकु' ह्या उतरावेल्यान आयलां.

वयर दिल्ल्या विधानांतली खंयची विधानां बरोबर वा चूक आसात ?

(1) (a) आनी (c) ही विधानां बरोबर आसात.
(2) (b) आनी (d) ही विधानां चूक आसात.
(3) (a) आनी (d) ही विधानां चूक आसात.
(4) सगळी विधानां बरोबर आसात.

12. 'बाकी चुकती' ही कविता र.वि. पंडितांच्या खंयच्या कवितासंग्रहांत आस्पावल्या ?

(1) चन्द्रावळ (2) म्हजे उतर गावड्याचें (3) चारां (4) ल्हारां

13. __________ ह्या वर्सा 'सालाझार' पुर्तुगालचो प्रधानमंत्री जालो.

(1) 1920 (2) 1928 (3) 1925 (4) 1932

14. 'गोंया तुज्या मोगाखातीर' ह्या कविताझेल्याक प्रस्तावना कोणे बरयल्या ?

(1) राम मनोहर लोहिया (2) सु.मं. कत्रे
(3) काकासाहेब कालेलकार (4) रवींद्रबाब केळेकार

15. 'संवसारांतल्या कांय जिनसांक स्वतंत्र अस्तित्व आसता जाल्यार हेरांक दुसऱ्यावरवीं 'अस्तित्व' प्राप्त जाता' अशें कोणाचें म्हणणें आसा ?

(1) कॉलरिज (2) हॉरेस (3) क्विंटीलियन (4) ॲरीस्टोटल

16. शुद्धलेखनाच्या नदरेन हांतुतलें खंयचें उतर बरोबर आसा ?

(1) भिवकूरो (2) भीवकूरो (3) भिवकुरो (4) भीवकुरो

17. सकयल दिल्ल्यो ओळी खंयच्या लोकवेदाच्या प्रकारांत मोडटा ?

'माडावेलो कीर बाये
शेंपडी हालयता, शेंपडी हालयता
सवाशीणी बायले
दोळे मोडीता'

(1) फुगडी (2) आल्लयो (3) होवयो (4) धालो

18. 'उमास येतना पुनव येवची रावता ?' ह्या म्हणीचो अर्थ वळखात.

(1) उमासे उपरान्त पुनव येताच (2) पुनवेपयली उमास येताच
(3) दुख्खा उपरान्त सुख येताच (4) सुखापयली दुख्ख येताच

19. नाटकांक 'क्रिडनीयक' अशें हांतूतल्या कोणे म्हळां ?

(1) दण्डी (2) भामह (3) विश्वनाथ (4) भरतमुनी

20. भास उलवपाच्या रूपांत चेतना सर भोंवतणचे आवाज उतराच्या रूपान थीर जातात. अशे रीतीन तयार जाल्ल्या उतरांक __________ उतरां म्हण्टात.

(1) ध्वनी – अणकारी उतरां (2) नाद – अणकारी उतरां
(3) आवाज – अणकारी उतरां (4) शब्द – अणकारी उतरां

21. ‘समिक्षा शक्तिशाली आसुंयेता बरी समिक्षा ही एक सर्जनशील क्रिया पूण नीज सर्जनशील क्रियेपरस वेगळ्या दर्ज्याची आनी खासा करून दुय्यम स्थानावेली क्रिया आसा’ हें विधान खंयच्या समिक्षकान केलां ?

(1) स्टीफन हेझल (2) ॲरीस्टोटल (3) प्लेटो (4) हॉरेस

22. हांतूतल्या खंयच्या भासविज्ञानिकाचो भास-विचार चाल-चलणुकवादाचे बुन्यादीचेर उबो आसा ?

(1) फेर्दिना द सोस्यूर (2) लेनर्ड ब्लूमफिल्ड

(3) नोअम चॉमस्की (4) रोमान याकोप्सन

23. हांतूतले खंयचें पुस्तक नाटक न्हय ?

(1) आनी एक प्रस्नपर्व (2) काणी एके काणयेची

(3) अंतर्याम (4) काळमाया

24. जोडयो लायात.

‘अ’		‘ब’	
(a)	हांव आंबो खातां	(i)	भूत भूतकाळ
(b)	हांव आंबो खातालों	(ii)	पूर्ण वर्तमानकाळ
(c)	हांवें आंबो खाला	(iii)	सामान्य भूतकाळ
(d)	हांवें आंबो खाल्लो	(iv)	अपूर्ण वर्तमानकाळ
		(v)	अपूर्ण भूतकाळ

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iii)	(i)	(v)
(2)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(3)	(v)	(iv)	(ii)	(i)
(4)	(iv)	(v)	(ii)	(i)

25. हांतूतले खंयची भास कोंकणीची भयण-भास न्हय ?

(1) सिंधी (2) बंगाली (3) सिंहली (4) मुंडारी

26. सकयल दिल्लया विधानातले खंयचें विधान बरोबर आसा?

(1) कोंकणीत स्वरां भितल्लो लांब आनी मोटवो हो फरक स्वनिमीक.

(2) कोंकणीत व्यंजनां भितल्लो लांब आनी मोटवो हो फरक स्वनिमीक न्हय.

(3) कोंकणीत स्वरां आनी व्यंजनां भितल्लो लांब आनी मोटवो हो फरक स्वनिमीक न्हय.

(4) कोंकणीत स्वरां भितल्लो लांब आनी मोटवो हो फरक स्वनिमीक न्हय.

27. रवींद्र केळेकार हांची पुस्तकां आनी तांचे उजवाडणी वर्स हांच्यो जोडयो लायात.

	'अ'		**'ब'**
(a)	नवी शाळा	(i)	1955
(b)	सत्याग्रह	(ii)	1973
(c)	भज गोविंदम्	(iii)	1960
(d)	मुक्ती	(iv)	1971
		(v)	1975

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(i)	(ii)	(v)
(2)	(iv)	(i)	(v)	(ii)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(v)
(4)	(v)	(iii)	(ii)	(i)

28. कोंकणी भास आनी साहित्य हेर भारतीय भासांपरस खूप फाटीं पडलें. कारण :

(1) 1731 ह्या वर्सा पोर्तुगेज सरकारान हाडिल्ल्या फर्मानाक लागून.

(2) 1745 ह्या वर्सा आर्च बिशप लॉरेन्स द सान्त मारीया हाणें कडिल्लया फर्मानाक लागून.

(3) 1684 ह्या वर्सा पोर्तुगेज सरकारान कडिल्लया फर्मानाक लागून.

(4) कोंकणीचेर पोर्तुगेज सरकारान हाडिल्ल्या चेपणाक लागून.

29. एका नादाक एक कुरु दिवपी लिपयेक कसली लिपी म्हण्टात?

(1) शब्दीक लिपी (2) वर्णीक लिपी (3) अक्षरीक लिपी (4) चित्र लिपी

30. शणै गोंयबाबाच्या मतान 'चडशे गोंयकार गोयांभायर गेल्यात कारण :

(1) पोटाच्या चिंतेक लागून (2) व्हडविकेच्या हावेसाक लागून

(3) राजकारणी पिडणूकेक लागून (4) धर्मप्रसाराक लागून

31. ''मागीर मात बाबा वेटरान जेवण हाडलें तें सामकें भाटकार पाडूक वयताना तेंका घरसून वजेंभर जेवण हाडून दितात तितलें.''

वयर दिल्ले वाक्य हांतूतल्या खंयच्या कादंबरीतलें आसा ?

(1) गांठवल (2) समर्पण (3) घणाघाय नियतीचे (4) गुणाजी

32. सकयल दिल्लया विधानातली खंयची दोन विधानां बरोबर आसात ?

(a) कॉलेजीतली तरुण पिळगी 'नाट्य' ह्या प्रकाराकडेन आकर्शित जाली कारण कोंकणी नाट्यमहोत्सव जावंक लागलो.

(b) गोंयांतले नव्या दमाचे लेखक कोंकणीतल्यान नाट्यरचना करपाक लागले कारण कोंकणी नाट्यमहोत्सव जावक लागलो.

(c) पन्नासांवयर स्वतंत्र मौलीक स्वरूपाची नाटकां बरयली म्हणून कोंकणी नाट्यमहोत्सव जावक लागलो.

(d) कोंकणी रंगमाचयेची अखंडीत परंपरा सुरु आशिल्ली म्हणून कोंकणी नाट्यमहोत्सव जावंक लागलो.

(1) (a) आनी (c) (2) (c) आनी (d) (3) (a) आनी (b) (4) (b) आनी (d)

33. व्यंजनात स्वर भरसून कसली संधी जाता ?

(1) स्वर संधी (2) व्यंजन संधी (3) विसर्ग संधी (4) संधी जायना

34. कोंकणीत 'यक्षगान' हो प्रकार आपल्या काव्य-नाटकातल्यान कोणे रचलो ?

(1) संत नायक स्वामी (2) सुरकुंद अण्णाजी राव

(3) श्रीनिवास प्रभू (4) बो.कृ. प्रभू

35. 'तूं बरो जा' ही नवलकाणी हांतूतल्या कोणाची ?

(1) जे.बि. सिक्वेरा (2) दोल्फी लोबो (3) ओपोलिनार लोबो (4) वि.जे.पी. सालदाना

36. 'भोगदंड' ह्या कादंबरीतल्या आंतोनेत आनी माग्दालीन या दोन पात्रांमदी कसलें नातें आसा ?

(1) दोगूय इश्टीणी (2) आवय आनी धूव (3) आजी आनी नात (4) दोगूय भयणी

37. सकयल दिल्ली खंयची दोन विधानां बरोबर आसात ?

(a) 'कथासरितसागर' हो ग्रंथ सोमदेवान बरयलो.

(b) 'बृहत्कथामंजिरी' हो ग्रंथ बुधस्वामीन बरयलो.

(c) 'बृहत्कथाश्लोकसंग्रह' हो ग्रंथ क्षेमेंद्रान बरयलो.

(d) 'बृहत्कथा गद्य' हो ग्रंथ गुणाढ्यान बरयलो.

(1) (a) आनी (c) (2) (a) आनी (b) (3) (a) आनी (d) (4) (b) आनी (c)

38. चड करून __________ जागर करतात.

(1) माघात (2) पौशांत (3) चैत्रात (4) मार्गशीर्षांत

39. 'लळीत साहित्य समाजाच्या मनांतल्या लागणुकांचें चित्र आमचे मुखार दवरता' अशें ललित साहित्याविशीं कोणे म्हळां ?

(1) चंद्रकांत केणी (2) उदय भेम्ब्रे (3) रवींद्र केळेकार (4) कमलाकर म्हाळशी

40. केळी-पानांर बरयल्ल्या हातबरपातल्यान देवनागरी लिपींत रचून उजवाडा हाडिल्लो काव्यग्रंथ खंयचो ?

(1) कोंकणी रामायण (2) गोड्डे रामायण

(3) भाशागण मंञ्जिरी (4) आब्रांवाचें यज्ञदान

41. कथासंग्रह आनी तांतूतल्यो कथा हांच्यो फावो त्यो जोड्यो लायात.

	'अ'		'ब'
(a)	कांदळां	(i)	पिशाची बायल
(b)	कपयाळे	(ii)	आमोरेचो सुर्या
(c)	गर्जन	(iii)	पायगुण
(d)	अंतर आयामी	(iv)	पोसको
		(v)	तो पिसो

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(i)	(v)	(iii)
(2)	(v)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(4)	(iii)	(iv)	(i)	(v)

42. 'तांच्या वेग-वेगळ्या शैलीमदी संवाद-शैली अदीक बरी आनी परिणामकारी जाता' अशें कोणे आनी कोणाच्या निबंदशैलीविशी म्हळा ?

(1) चंद्रकांत केणी हांणी देवीदास कदम हांच्या निबंदशैलीविशी म्हळा.

(2) रवींद्र केळेकार हांणी मुकेश थळी हांच्या निबंदशैलीविशी म्हळा.

(3) हरिश्चंद्र नागवेकार हांणी लक्ष्मी नारायण पारज हांच्या निबंदशैलीविशी म्हळा.

(4) उदय भेम्ब्रे हांणी दिनेश मणेरकार हांच्या निबंदशैलीविशी म्हळा.

43. 'ताची करामत' ह्या नाटकाची प्रस्तावना कोणे बरयल्या ?

(1) विष्णु नायक
(2) दा.अ. कारे
(3) रामचंद्र प्रभू चोडणेकार
(4) महाबळेश्वर सरदेसाय

44. प्रतीकवादाची सुरुवात खंयच्या देशांतल्या साहित्यांत पयली जाली ?

(1) इटली
(2) ग्रीस
(3) फ्रान्स
(4) रशिया

45. 'मध्ययुगीन युरोपी कथालेखकांच्या रचनांक भारतीय कथालेखनाचो वास मारता' कारण –

(1) भारतीय ग्रंथ अणकारी रूपांत येवरोपात पाविल्ले.
(2) युरोपी कथालेखकांनी भारतीय कथांचो रूपकार केलो.
(3) युरोपी कथालेखकांच्या कथातल्यान भारतीय कथा रचली.
(4) भारतीय ग्रंथ युरोपांतल्यान अणकारीत जावन आयले.

सकयल दिल्ली कविता वाचून ताच्या सकयल दिल्लया प्रस्नांच्यो जापो बरयात.

आयले पेले पयस जाले
शीण उजे नात कोणा
सल्लेय जरि साबार थारे
दुकां गळौन भागचेंना
    विशाळ ही जीण तशी
    संसाराक शीम ना
वळ्ळो देंठ बावली कळा
आशांचीं गळ्ळीं दळां
हरविंच झडलीं पानां
खंत घेवन चलचें ना
धन्न भायर पांच विचार
फुलां-फळां अंत ना।
भिण्ण रात गुप्प वाट
पेटुन पेटनाय वात
कुड्डि कशी अंदलि दीठ
त्राण शिणुन चलचें ना
    अणु अणूंन सस्त्र सूर्य

उजवाडाक पार ना।

माल्लें दारार भौन

तरि पाचारिना कोण

पायण पायण रिती किण्ण

जिवार जळुन भागचेंना

सडयांतळा शितळ झरे

जग हें ओगी तगुंना।

वैरी पाजून सुरे

मांडले उडि धेवं फुडें

निमणेय जाय तुय खिण हे

काच खावन चलचेंना

देख ल्हार कड्यां आड

चंवर येवन फूट्टाना।

हे जिवाक पीळ अशे

रुजुंक आयल्ले बिये जशे

कोम कुटुंक कुड झडचे

मंगल ही कळ चुकना

घट्टि नवीं फुट्टिं ल्हारां

हे जिणेक अंत ना।

46. 'सड्यांतळा शितळ झरे' ह्या वळीचो अर्थ असो जाता :

(1) सडयावेल्यान शीतळ झरो व्हांवता.

(2) सडयासकयल शीतळ झर व्हावता.

(3) सडया सारक्या मनशाचें मन माये चो झरो आसता.

(4) सडया सार क्या मनशाचें मन उदकाचो झरो कसो आसता.

47. जिवाक पडिल्ले पीळ कवीक कशे दिसतात ?

(1) मंगल कळ (2) रुजुंक आयल्ले बीं

(3) फुटिल्ले कोंब (4) फुट्टि ल्हारां

48. उजवाडाक पार ना कित्याक तर __________ .

(1) गुप्प वाटेवयल्या अणुत हजार सुर्याचो उजवाड पातळ्ळा

(2) दर एका अणुंत हजार सुर्याचो उजवाड पातळ्ळा

(3) रातीच्या काळरवांत हजार सुर्याचो उजवाड पातळ्ळा

(4) अंदल्या दीठयेंत हजार सुर्याची उजवाड पातळ्ळा

49. 'चंवर' हें उतर कवितेंत खंयच्या अर्थान आयलां ?

(1) आंब्याची फुलां (2) दर्याची फुलां (3) सैमाची फुलां (4) ल्हाराची फुलां

50. वयर दिल्ल्या कवितेतलो म्हत्वाचो विचार खंयचो ?

(1) संवसाराक अंत ना (2) हे जीणेक अंत ना (3) चंवराक अंत ना (4) उजवाडाक अंत ना

- o 0 o -

Space For Rough Work